तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, गुरुवार 1 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 10.86 करोड़ की तीन सड़कों के निर्माण पर उठे सवाल...



11 35 से अधिक परिवार हुए बेघर





खबर संक्षेप



रायपुर लौटे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव से मिले दीपक बैज

जगदलपुर। दिल्ली में इलाज कराने के बाद रायपुर लौटे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण सिंह देव से उनके निवास पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैद्दू, सत्तार अली एवं प्रदेश महामंत्री सकलेन कामदार उपस्थित रहे। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के अध्यक्षों की इस शिष्टाचार मुलाकात को सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई चर्चा के रूप में देखा जा रहा है।

नशे में ट्रक चलाने वाले चालक पर 10 हजार का जुर्माना

दंतेवाड़ा। शहर के पुलिस ने इंडोर स्टेडियम के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच करने पर ट्रक का चालक शिव विलास निवासी गीदम शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गया। यातायात पुलिस ने चालक के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया। मामले में माननीय न्यायालय ने चालक पर 10 हजार का अर्थदंड लगाया है। कार्रवाई में यातायात प्रभारी ताती मुकेश, जितेंद्र त्रिपाठी सहित स्टाफ शामिल रहा। पुलिस ने चालकों से नशा कर वाहन न चलाने की अपील की है।

बीमा दावा खारिज करने वाली इंश्योरेंस कंपनी देगी 10 हजार की क्षतिपूर्ति

जगदलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक प्रकरण में इंडिया फर्स्ट लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मुंबई को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी मानते हुए आवेदक को 10 हजार की क्षतिपूर्ति एक माह के भीतर देने का आदेश दिया है। निर्धारित अवधि में राशि का भुगतान नहीं करने पर कंपनी को प्रतिदिन 100 रुपए के हिसाब से अतिरिक्त जुमार्ना अदा करना होगा। यह आदेश आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल एवं सदस्य आलोक कुमार दुबे की संयुक्त खंडपीठ ने पारित किया है। प्रकरण की सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी ने दो लाख की बीमा राशि आवेदक को प्रदान कर दी है। हालांकि आयोग ने माना कि बीमा दावा अत्यंत विलंब से स्वीकार किया गया, जिससे सेवा में कमी एवं व्यावसायिक कदाचरण हुआ। इसी आधार पर आयोग ने आवेदक को हुई परेशानी के लिए 10 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। न्यायालयीन सूत्रों के अनुसार बड़े किलेपाल निवासी सामू मुचाकी के चाचा गढ़िया मुचाकी का बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता ▶▶ शेष पेज 10 पर

बस्तरवासियों को रेल यात्रा के लिए सप्ताहभर करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

सप्ताह भर पूर्व हुए भूस्खलन के बाद बंद रेल यात्रा आने वाले एक सप्ताह तक प्रभावित होने की संभावना है। इसका सबसे अधिक खामियाजा बस्तर वासियों को उठाना पड़ेगा। बीते दिनों भारी बारिश व भूस्खलन के बीच कोरापुट-रायगढ़ा रेलखंड पर रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है।

ओडिशा के मल्लीगुड़ा और जरति के मध्य भूस्खलन तथा 60 मीटर से अधिक लंबी पटरी के नीचे की मिट्टी बह जाने के कारण बीते गुरुवार से रेल परिवहन पूरी तरह ठप है। रेलवे लाइन पर भूस्खलन से मार्ग बाधित होने के बाद रेलवे ने कई ट्रेनों का संचालन रद्द करने के साथ कुछ ट्रेनों को कोरापुट तक सीमित कर दिया गया है। रेल मार्ग को बहाल करने के लिए सुधार और मरम्मत का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त मार्ग को पूर्ण रूप से बहाल होने में अब भी दस दिन का समय लग सकता है। राहत कार्य के बावजूद मार्ग दुरुस्त नहीं हो पाया है। इस कारण विशाखापट्टनम, भुवनेश्वर, राउरकेला और हावड़ा से आने वाली कोई भी ट्रेन अब सप्ताह भर तक जगदलपुर ना ही आएगी और न ही जाएगी।

भूस्खलन से कोरापुट-रायगढ़ा रेलखंड में आवागमन बाधित

कोरापुट तक चलेगी हीराखण्ड व समलेश्वरी एक्सप्रेस, मालगाड़ी भी थमी

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक हीराखंड और समलेश्वरी एक्सप्रेस कोरापुट तक ही चलेगी। बस्तर से रेल यात्रा करने वाले यात्री अब कोरापुट तक सड़क मार्ग से जाने के बाद आगे का सफर कर सकते है। दर्जन भर क्रेन और सैकड़ों मजदूर राहत कार्य में जुटे हुए है। मौके पर मौजूद आरपीएफ अधिकारी ने बताया कि आगामी दस दिन तक और सुधार कार्य जारी रहने की संभावना है जिसके बाद ही रेल परिवहन जगदलपुर व किरन्दुल से हो सकेगा।



40 मालगाड़ियों के पहिए भी थमे

जगदलपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 90 किमी दूर हुए भूस्खलन के चलते लौह अयस्क लेकर जाने वाली 40 मालगाड़ियों के पहिए भी पूरी तरह थम चुके है। लौह अयस्क भरकर किरंदुल-बचेली से विशाखापटनम और रायगड़ा की तरफ जाने वाली माल गाड़ियों के पहिए भी थामे हुए हैं। राहत कार्य पूर्ण होने तक विशाखापट्टनम से किरंदुल आने वाले पैसेंजर नाइट एक्सप्रेस को पूरी तरह स्थगित कर दिया गया है। इसके अलावा जगदलपुर से हावड़ा, भुवनेश्वर तथा राउरकेला जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को कोरापुट तक ही चलाया जा रहा है।

बाढ़ का पानी उतरते ही तबाही दिखी, सैकड़ों हेक्टेयर फसल बर्बाद

खेतों में जमी मिट्टी की मोटी परत, धान की खड़ी फसलें जमीन पर गिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घाटलोहंगा

क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब खेतों में हुई तबाही की वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। बाढ़ के चलते सैकड़ों हेक्टेयर में लगी धान सहित अन्य फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। खेतों में खड़ी धान की फसल कई दिनों तक पानी में डूबे रहने के कारण पूरी तरह बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गई है।

पीड़ित किसानों का कहना है कि तेज बहाव और जलजमाव के कारण कई खेतों में धान की फसल पूरी तरह जमीन पर बिछ गई है। इसके साथ ही, बाढ़ के पानी के साथ बहकर आई मिट्टी की मोटी परत खेतों में जम गई है। इस गाद की वजह से पौधों से धान की बालियां निकलने की स्थिति भी नहीं बची है। सीजन की मुख्य फसल पूरी तरह चौपट होने से क्षेत्र के अन्नदाताओं के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।



कर्ज चुकाने और परिवार पालने की चिंता

किसानों के अनुसार, इस वर्ष की फसल पर ही उनकी पूरी आर्थिक स्थिति निर्भर थी, लेकिन बाढ़ ने सीजन भर की मेहनत पर पानी फेर दिया है। फसल पूरी तरह खराब होने के कारण कई किसान बैंक और अन्य कृषि ऋण चुकाने की स्थिति में भी नहीं रह गए हैं। अब क्षेत्र के किसानों को आगामी दिनों में अपने परिवार के भरण-पोषण के साथ-साथ सिर पर खड़े कर्ज को चुकता करने की गंभीर चिंता सताने लगी है।

सर्वे कराकर कर्जमाफी की मांग

फसल बर्बादी से चिंतित किसानों ने शासन-प्रशासन से खेतों का तत्काल सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन करने तथा प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। इस वर्ष की प्राकृतिक आपदा को देखते हुए किसानों ने कृषि ऋण माफ करने और फसल क्षति के अनुरूप पर्याप्त राहत राशि प्रदान करने की मांग उठाई है। किसानों का कहना है कि समय रहते यदि सरकार की ओर से सहायता नहीं मिली, तो बाढ़ प्रभावित परिवारों के सामने अस्तित्व का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा।

पिकअप और 10 टन से अधिक चोरी का स्क्रैप बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ दंतेवाड़ा

स्थानीय पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10.680 टन चोरी का संदिग्ध लोहे का स्क्रैप और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान स्क्रैप परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे पिकअप वाहन को भी माल समेत जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार खूंटे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अर्जुन पटेल के नेतृत्व में की गई। मिली जानकारी के अनुसार बचेली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बुधवार सुबह 5 बजे हिलटॉप होटल बचेली के पास एक पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 18S6590 खड़ा है, जिसमें चोरी का लोहे का स्क्रैप भरा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अविनाश ठाकुर के पर्यवेक्षण में टीम ने मौके पर दबिश दी और वाहन को घेराबंदी कर रोका।

पुलिस ने मौके से चोरी का कबाड़ परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पुराना मार्केट बचेली निवासी पियूष मुखर्जी 35 वर्ष पिता स्व. विश्वरूप मुखर्जी और रघु मरकाम 22 वर्ष पिता बामन मरकाम शामिल हैं। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गए आरोपियों से कबाड़ सामान के संबंध में नोटिस देकर वैध दस्तावेज की मांग की गई थी। आरोपियों द्वारा कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने कुल 10.680 टन वजनी माल और वाहन को जब्त किया, जिसमें लोहे के रॉड, क्रेशर का रोलर, गियर बॉक्स बैरिंग, चैनल एंगल, भारी मात्रा में नट-बोल्ट तथा अन्य स्क्रैप शामिल हैं।



न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 35(1)(ई) बीएनएसएस एवं 303(2) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें बचेली न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले में अवैध कबाड़ का कारोबार करने वालों और चोरी का सामान खरीदने व बेचने के संदिग्धों पर लगातार सतत निगरानी रखी जा रही है और अवैध धंधे में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

यातायात नियमों का पालन करने वाहन मालिकों व ट्रक चालकों ने ली शपथ

जगदलपुर। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर बस्तर पुलिस की बड़ी पहल करते हुए बस्तर परिवहन संघ के पदाधिकारियों, वाहन मालिकों और चालकों को यातायात नियमों की समझाइश देकर नियमों का पालन करने शपथ दिलाई। इस दौरान बस्तर परिवहन संघ के पदाधिकारियों के अलावा 180 वाहन मालिक व चालक मौजूद थे। एसपी शलभकुमार सिन्हा के निर्देश व एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण यातायात जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बस्तर परिवहन संघ के अध्यक्ष प्रदीप पाठक के अलावा महेन्द्र सिंह नयन, रोशन यादव, सुखदेव सिंह जोशी, संतोष यादव, रामबाबू सिंह ठाकुर, जगन लाल उर्फ राजू झंवर एवं अन्य पदाधिकारीगण सहित संघ के अंतर्गत चलने वाले वाहनों के मालिक एवं चालक समेत 180 के करीब लोग मौजूद थे। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने तथा त्यौहारों के दौरान सड़कों पर भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए उपस्थित सभी लोगों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने, वाहनों को निर्धारित और व्यवस्थित रूप से उचित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने तथा सड़कों को जाम से मुक्त रखने के लिए कोई भी वाहन मुख्य मार्ग या सड़क के किनारे असुरक्षित तरीके से खड़ा नहीं करने के संबंध में विशेष रूप से हिदायत दी गई। इसके साथ ही सभी उपस्थित पदाधिकारियों, मालिकों और चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए ▶▶ शेष पेज 10 पर



61 लाख के साइबर फ्रॉड मामले में राजस्थान से एक और आरोपी गिरफ्तार



गीदम। पुलिस को साइबर फ्रॉड के एक बड़े मामले में एक और सफलता मिली है। पुलिस ने 61 लाख के ऑनलाइन ठगी के मामले में राजस्थान से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा साइबर सेल प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक ठाकुर गौरव सिंह एवं एसडीओपी आकांक्षा सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में गीदम थाना निरीक्षक शशांक पौराणिक के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। प्रार्थी भूपेंद्र तेलामी पिता आयतु राम तेलामी 44 वर्ष निवासी हारमपारा गीदम की रिपोर्ट पर 61,06,592 की ऑनलाइन साइबर ठगी के संबंध में थाना गीदम में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन एनालिसिस और साइबर फॉरेंसिक टूल्स के माध्यम से आरोपियों की पहचान की गई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी दिनेश पिता भागीरथ राम 31 वर्ष निवासी ग्राम कृष्ण नगर जिला फलोदी राजस्थान से गिरफ्तार किया। आरोपी को रिमांड पर दंतेवाड़ा लाकर 30 सितम्बर को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जिला जेल दंतेवाड़ा भेजा गया। जांच में सामने आया कि आरोपी बैंक खातों को किराए पर लेकर उनके माध्यम ▶▶ शेष पेज 10 पर



कोन्टा के अतिसंवेदनशील मेट्टागुड़ा की पहली कक्षा छात्रा की आखिर मौत कैसे

एर्राबोर पोटाकेबिन में छात्रा की मौत पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोन्टा

राजमार्ग 30 एर्राबोर में संचालित पोटाकेबिन की एक पहली कक्षा में अध्यनरत छात्रा की संदिग्ध मौत पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी अनुसार छात्रा मड़कम देवे निवासी ग्राम पालाचलमा के गांव मेटागुड़ा को 21 सितंबर के बुखार की शिकायत हुई। जिसका इलाज पोटाकेबिन एर्राबोर द्वारा कराया गया और फिर तबीयत में सुधार नहीं होने कारण दोरनापाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया गया। उसके बाद परिजनों को सूचित किया गया। इसके बाद मृत छात्रा के भाई ने एर्राबोर पोटाकेबिन पहुंच छात्रा को अपने साथ घर अपने गांव मेट्टागुड़ा ले गया और छात्रा की दूसरे दिन मौत हो गई। मामले को संज्ञान लेते हुए बस्तरिया राज मोर्चा ने एर्राबोर पोटाकेबिन पहुंच जानकारी ली और छात्रा के गांव पहुंच पक्ष जाना। जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम और जनपद पंचायत उपाध्यक्ष माड़वी हिड़मा उनके टीम ने अतिसंवेदनशील गांव मेट्टागुड़ा पहुंच पुरी मामले की जानकारी ली और बुधवार के जनपद उपाध्यक्ष माड़वी हिड़मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेते हुए मामले को सामने रखा। प्रेस वार्ता में बस्तरिया राज मोर्चा ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग की है। मोर्चा ▶▶ शेष पेज 10 पर



निष्पक्ष जांच की मांग

बस्तरिया राज मोर्चा ने एर्राबोर स्थित पीएम श्री पोटाकेबिन कन्या आश्रम में अध्ययनरत छात्रा की मौत के मामले को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। मोर्चा की टीम ने छात्रा की तबीयत खराब होने से लेकर उसे घर लाए जाने तथा बाद में हुई मौत तक के पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए कहा। परिजनों के हवाले से बताया की 25 तारीख से लगातार फोन कर छात्रा को घर ले जाने के लिए कहा जा रहा था। उस समय क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति होने के कारण परिजन तत्काल आश्रम नहीं पहुंच सके। बाढ़ का पानी कम होने के बाद छात्रा का भाई उसे लेने आश्रम पहुंचा। परिवार के मुताबिक 27 तारीख को छात्रा को घर लाया गया और 28 तारीख को उसकी मौत हो गई।

मोर्चा ने लगाया आरोप

मोर्चा ने आरोप लगाया कि यदि छात्रा की तबीयत 21 तारीख से खराब थी, तो समय रहते उसे बेहतर उपचार के लिए अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया। परिजनों का कहना है कि छात्रा की गंभीर स्थिति को देखते हुए केवल घर ले जाने के लिए लगातार फोन करने के बजाय तत्काल उपचार की व्यवस्था करनी चाहिए थी। छात्रा की मां ने भावुक होकर कहा कि आदिवासी परिवार अपने बच्चों को घर से दूर आश्रम और छात्रावासों में बेहतर शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की उम्मीद से भेजते हैं। जब किसी संस्था द्वारा बच्चों की जिम्मेदारी ली जाती है तो उनकी पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी गंभीरता से निभाई जानी चाहिए। परिजनों का आरोप है कि उनकी बच्ची को बीमारी के दौरान समय पर उचित उपचार नहीं मिल सका, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

खबर संक्षेप



सेवानिवृत्ति पर 4 शासकीय सेवकों को मिला पीपीओ और जीपीओ

कोण्डागांव। जिला कार्यालय में बुधवार को सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सितंबर माह में सेवानिवृत्त हुए 4 शासकीय सेवकों को सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन भुगतान आदेश पीपीओ एवं ग्रेच्युटी भुगतान आदेश जीपीओ की प्रतियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पीपीओ एवं जीपीओ सौंपे। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। जिला कोषालय द्वारा पेंशन प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया। इसके तहत संबंधित कर्मचारियों के पेंशन प्राधिकार आदेश सेवानिवृत्ति के दिन ही जारी किए गए, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन संबंधी प्रक्रिया के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों में गृह विभाग के निरीक्षक मोहनराम पटेल, स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक सहदेव राम मरकाम, प्रधान पाठक मसूराम मरकाम एवं सहायक वर्ग–दो अशोक मरावी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने हितेश्वरी के परिवार को दिया पक्के घर का सहारा

कोण्डागांव। केशकाल के मुंगबाड़ी निवासी हितेश्वरी कौशिक का परिवार पहले कच्चे मकान में निवास करते था। सीमित संसाधनों के बीच परिवार के लिए सुरक्षित और पक्के घर का



सपना लंबे समय से बना हुआ था। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्का आवास स्वीकृत होने से उनका यह सपना अब साकार हो गया है। पक्का मकान मिलने के बाद हितेश्वरी कौशिक और उनके परिवार को अब सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधा मिल रही है। बारिश सहित मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी परिवार को पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षा और सुविधा प्राप्त हो रही है।

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना की सहायता से अहिल्या के बच्चे का उपचार

कोण्डागांव। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कहानियां सामने आ रही हैं। ग्राम सल्फीपदर, लंजोड़ा पंचायत निवासी अहिल्या नेताम के लिए भी शासन की



योजनाएं मुश्किल समय में सहारा बनी हैं। अहिल्या नेताम को प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के अंतर्गत 5,000 की सहायता राशि प्राप्त हुई। इसी दौरान उनके बच्चे को ऑपरेशन की आवश्यकता थी। अहिल्या ने बताया कि योजना से मिली राशि का उपयोग उन्होंने बच्चे के ऑपरेशन में किया। उनके लिए यह सहायता राशि कठिन समय में बड़ी राहत साबित हुई। अहिल्या को महतारी वंदन योजना के तहत प्रत्येक माह 1,000 की सहायता राशि मिल रही है।

पॉलीटेक्निक छात्रों को नवाचार और स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित



कोण्डागांव। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, कोण्डागांव द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज कोण्डागांव में सेवा फर्स्ट इनोवेशन चौलेंज एवं जिला शिक्षा, उद्यमिता एवं स्टार्टअप विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक एवं सेवा फर्स्ट इनोवेशन चौलेंज के जिला नोडल अधिकारी हिमालय सेठिया के नेतृत्व में हुआ। शिविर में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की प्रबंधकध्सहायक संचालक श्रीमती कुसुमलता नेताम, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य अश्विनी कुमार खैरवार, व्याख्याता निशात कुमार एवं राजेश कुमार सहित 50 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रांधना में 50 सीटर बालक छात्रावास का लोकार्पण



फरसगांव। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम रांधना में बुधवार को 50 सीटर प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास भवन का लोकार्पण कोण्डागांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी ने किया। छात्रावास भवन के निर्माण से दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा मिलेगी। इस दौरान ग्राम रांधना में 30 लाख की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमिपूजन भी किया गया। विधायक उसेंडी ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए दूसरे घर की तरह है, जहां उन्हें पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिलेंगी।

लेम्पस की वार्षिक आमसभा में प्रस्तावों पर चर्चा, बेहतर कार्य पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

क्षेत्र के लेम्पस में वार्षिक आमसभा की बैठक आयोजित की गई। आमसभा में संस्था के बीते वित्तीय वर्ष के कार्यों, वित्तीय स्थिति, आय-व्यय तथा संचालक मंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में संस्था के कार्यों को बेहतर एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए तैयार की गई कार्ययोजना तथा विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्राधिकृत अधिकारी लक्ष्मण सिंह कुंजाम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एसआर सोरी, ब्लॉक प्रौद्योगिकी प्रबंधक नेहा ठाकुर, प्रभारी प्रबंधक सुरेंद्र कुमार बघेल एवं सदस्य नंदलाल लाडिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सेत कुमार कश्यप ने किया। बैठक में केवल पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा ही नहीं, बल्कि आगामी वित्तीय वर्ष में संस्था की गतिविधियों को और बेहतर तरीके से संचालित करने को लेकर भी चर्चा हुई। संस्था से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा एवं कार्ययोजना के अनुरूप पूरा करने, सदस्यों से जुड़े विषयों पर गंभीरता से कार्य करने तथा संस्था की गतिविधियों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। आमसभा में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संस्था के संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे। बैठक के दौरान प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों पर चर्चा के बाद आवश्यक अनुमोदन एवं स्वीकृति की कार्रवाई पूरी की गई। इस अवसर पर लेम्पस से जुड़े पदाधिकारी, कर्मचारी एवं सदस्य मौजूद रहे। वार्षिक आमसभा के माध्यम से संस्था के पिछले कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी वित्तीय वर्ष की दिशा एवं कार्ययोजना को लेकर आवश्यक निर्णय लिए गए।

वार्षिक पत्रक से लेकर आगामी बजट और अंकेक्षण एजेंसी की नियुक्ति तक लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

वार्षिक पत्रक एवं वित्तीय स्थिति पर चर्चा

आमसभा के दौरान वर्ष 2025-26 के वार्षिक पत्रक को सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। संस्था के वर्षभर के कार्यों एवं गतिविधियों से संबंधित जानकारी सदस्यों को दी गई। इसके साथ ही ऑडिटेड वित्तीय पत्रक एवं वार्षिक पत्रक को लेकर भी चर्चा की गई। संस्था की वित्तीय गतिविधियों तथा पिछले वित्तीय वर्ष के आय-व्यय से जुड़े बिंदुओं पर सदस्यों के समक्ष जानकारी रखी गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किए गए अनुमानित बजट पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। आगामी वर्ष में संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्यों एवं गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए बजट को स्वीकृत किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आवश्यक अनुमोदन किया गया।



संचालक मंडल के निर्णयों का अनुमोदन

आमसभा में वर्ष 2025-26 के दौरान संचालक मंडल द्वारा लिए गए विभिन्न निर्णयों को भी सदस्यों के समक्ष रखा गया। इन निर्णयों की जानकारी देने के बाद उनके अनुमोदन से संबंधित प्रस्ताव पर चर्चा की गई। सदस्यों ने संस्था के पूर्व निर्णयों एवं आगामी कार्यों को लेकर अपने विचार भी रखे। इसके अलावा संस्था के अंकेक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से संपादित कराने के लिए अंकेक्षण एजेंसी नियुक्त किए जाने संबंधी विषय भी आमसभा में रखा गया। इस पर आवश्यक चर्चा के बाद एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया को लेकर निर्णय लिया गया।

जीएसबी की चौड़ाई-मोटाई में भी गड़बड़ी का आरोप

10.86 करोड़ की तीन सड़कों के निर्माण पर उठे सवाल, 78 एमएम की जगह 50 एमएम डामर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

लोक निर्माण विभाग कोण्डागांव अंतर्गत सीजीआरआईडीसीएल योजना अंतर्गत एग्रीमेंट नंबर 51 डीएल, वर्ष 2021-22 के तहत करीब 10.86 करोड़ की लागत से बनी तीन सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता जगदीश साहू ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता, मुख्य अभियंता, प्रमुख अभियंता के साथ उप मुख्यमंत्री एवं मुख्यमंत्री को शिकायत देकर आरोप लगाया है, कि निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंड के अनुसार डामर की मोटाई, डामर की मात्रा और जीएसबी की चौड़ाई-मोटाई का पालन नहीं किया गया। शिकायत में पूरे निर्माण की तकनीकी जांच कराने के साथ प्रत्येक 50-50 मीटर पर कोर कटिंग कराने की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार एग्रीमेंट के तहत मो. फिरोज कंस्ट्रक्शन कंपनी कांकेर द्वारा तीन सड़कों का निर्माण कराया गया है। इनमें अंतागढ़ से बेड़मा मुख्य मार्ग से पड़ुे मार्ग, मुक्तिधाम केशकाल से रांधा मार्ग और कांदाकोड़ो से सुखडीह मार्ग शामिल हैं। तीनों कार्यों की कुल लंबाई करीब 10.02 किमी और कुल स्वीकृत लागत करीब 10 करोड़ 86 लाख बताई गई है।



78 एमएम की जगह करीब 50 एमएम डामर किए जाने का आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि तीनों सड़कों में बीएम एवं एमएसएस डामर की निर्धारित परतों का निर्माण मापदंड के अनुरूप नहीं किया गया। दस्तावेज के अनुसार बीएम लेयर में 50 एमएम तथा ऊपर एमएसएस लेयर में 28 एमएम, यानी कुल 78 एमएम की मोटाई का प्रावधान था। आरोप है कि मौके पर दोनों लेयर मिलाकर करीब 50 एमएम ही डामर किया गया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बीएम लेयर में नियमानुसार करीब 3.65 प्रतिशत बिटुमिन का प्रावधान था, लेकिन तीनों सड़कों में करीब 2 प्रतिशत ही डामर उपयोग किया गया। इसी तरह ऊपर की एमएसएस लेयर में 28 एमएम मोटाई के स्थान पर करीब 15 एमएम कार्य किए जाने और निर्धारित करीब 6.50 प्रतिशत के बजाय लगभग 3.5 प्रतिशत डामर उपयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है।

जीएसबी की चौड़ाई और मोटाई पर भी उठाए सवाल

शिकायतकर्ता ने जीएसबी कार्य में भी अनियमितता का आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक पैकेज की तीनों सड़कों में जीएसबी की एक लेयर 9 मीटर चौड़ाई और 15 सेंटीमीटर मोटाई के अनुसार बनाई जानी थी। आरोप है कि पूरी चौड़ाई में निर्धारित मापदंड के अनुसार कार्य नहीं किया गया।

ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों ने लगाए मटेरियल चोरी का आरोप

स्थानीय ग्रामीण संतोष नेताम, महेश नेताम, प्रेम सिंह बघेल, बेलती नेताम और अन्य ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण में उपयोग की गई जीएसबी मेटल को बिल भुगतान के बाद साइड से वापस निकाल लिए जाने की आशंका है। इसकी भी मौके पर जांच कराने की मांग की गई है।

तीनों सड़कों का विवरण

अंतागढ़-बेड़मा मुख्य मार्ग से पड़ुे मार्ग: 2.625 किमी, लागत करीब 2.95 करोड़
मुक्तिधाम केशकाल से रांधा मार्ग: 3.32 किमी, लागत करीब 4.01 करोड़
कांदाकोड़ो से सुखडीह मार्ग: 4.076 किमी, लागत करीब 3.90 करोड़
कुल लंबाई : 10.021 किमी।
कुल लागत : करीब 10.86 करोड़

अनियमितता की जांच होगी

निर्माण कार्य में अनियमितता संबंधी शिकायत की जानकारी प्राप्त हुई है। शिकायत के आधार पर मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- आशा मांडवी

बिजली दरों और स्मार्ट मीटर पर कांग्रेस का जनजागरण अभियान



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बढ़ती बिजली दरों एवं स्मार्ट मीटर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरण एवं जनसंपर्क अभियान के तहत कोंडागांव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से ग्राम मालगांव में अभियान का समापन एवं सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोंडागांव के अध्यक्ष संजय करन के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के स्मार्ट मीटर अभियान प्रभारी एवं जगदलपुर के पूर्व विधायक रेखचंद जैन तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन मरकाम की उपस्थित रही। कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने दोनों नेताओं का स्वागत किया।

सभा में श्री जैन ने कहा कि बिजली प्रत्येक परिवार की मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने बिजली दरों में बढ़ोतरी एवं स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं के बीच सामने आ रही चिंताओं को गंभीरता से लेने की बात कही। उन्होंने बताया कि कांग्रेस आम उपभोक्ताओं की समस्याओं को शासन–प्रशासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनसंपर्क अभियान चला रही है। अभियान के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गांव–गांव और घर–घर पहुंचकर बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर एवं बिजली दरों से जुड़ी उपभोक्ताओं की समस्याओं और आपत्तियों की जानकारी ली गई। कांग्रेस की ओर से कोंडागांव में वार्ड स्तर पर भी उपभोक्ताओं से फॉर्म भरवाकर उनकी राय एवं समर्थन दर्ज कराने का अभियान चलाए जाने की जानकारी दी गई। सभा मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस का यह अभियान बिजली से जुड़े मुद्दे पर आम जनता के साथ जनसंवाद और जनजागरूकता के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रें के उपभोक्ताओं से संवाद कर उनकी समस्याओं को सामने लाने का कार्य आगे भी जारी रहेगा।

सरपंच की संदिग्ध मौत, शरीर पर चोट के निशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मोहपाल के सरपंच मंगल सिंह मरकाम 56 की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। बुधवार सुबह मंगल सिंह गांव के तालाब के पास संदिग्ध अवस्था में मिले। परिजन उन्हें तत्काल फरसगांव अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। वहीं घटनास्थल पर खून के निशान और संघर्ष के संकेत मिलने से मामला और संदिग्ध हो गया है। घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर उनकी बाइक मिली, जबकि खेत किनारे रॉड और डंडे भी पड़े मिले। मृतक के पुत्र विक्रम के अनुसार, मंगल सिंह मंगलवार शाम करीब 6 बजे पंचायत कार्यालय जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटे। बुधवार सुबह तालाब के पास उनके संदिग्ध अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली, जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए।



हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

शरीर पर चोट के निशान और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों ने जानलेवा हमला कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना पर बड़ेडोंगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। फिलहाल पुलिस हत्या, मारपीट और घटना के पीछे संभावित रंजिश समेत विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। मृतक के परिजनों ने घटना में शामिल लोगों की जल्द गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर जल्द ही मामले की स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

88 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन और सेवा संकल्प कार्यक्रम



कोण्डागांव। पोषण माह के अंतर्गत जिले के 88 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन कार्यक्रम एवं सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री माताओं, किशोरियों, बच्चों तथा उनके परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं प्रारंभिक बाल विकास के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय के लिए संवाद एवं जागरूकता के केंद्र के रूप में विकसित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्थानीय खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा बच्चों के पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

प्राकृतिक आपदा में घर गंवाने वाले परिवारों तक पहुंचा प्रशासन, सहायता की जगी उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

लगातार बारिश और प्राकृतिक आपदा के कारण अपना आशियाना गंवा चुके प्रभावित परिवारों की समस्याओं को लेकर 30 सितंबर के हरिभूमि अंक में "प्राकृतिक आपदा में घर गंवाने वालों को प्रशासन से मदद की उम्मीद" शीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर के माध्यम से प्रभावित परिवारों की वास्तविक स्थिति, बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकानों और उनके सामने उत्पन्न हुई परेशानियों को प्रशासन के संज्ञान में लाया गया था। साथ ही, आपदा प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से राहत एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की उम्मीद जताई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित परिवारों की सुध ली। प्रशासन की टीम प्रभावित परिवारों तक पहुंची और मौके पर उनकी स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान बारिश एवं प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की स्थिति को समझने के साथ ही प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं की जानकारी भी ली गई। लगातार बारिश के चलते कई परिवारों के मकानों को नुकसान पहुंचा है। कुछ परिवारों के सामने रहने की समस्या उत्पन्न हुई है, वहीं घरेलू सामान एवं अन्य सामग्री के नुकसान से भी उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर उनकी स्थिति जानना उनके लिए राहत की उम्मीद लेकर आया है।



खबर के बाद प्रशासन की पहल

हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन द्वारा मामले का संज्ञान लिया जाना यह दर्शाता है कि आपदा प्रभावित परिवारों की समस्याओं को सामने लाने का प्रयास सार्थक रहा। प्रशासन की टीम द्वारा प्रभावित परिवारों से संपर्क कर उनकी स्थिति की जानकारी लेने के बाद अब उन्हें नियमानुसार आवश्यक राहत एवं सहायता मिलने की उम्मीद बढ़ी है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे समय में प्रशासन की ओर से उनकी सुध लेना और सहयोग के लिए आगे आना उनके लिए महत्वपूर्ण है। परिवारों ने उम्मीद जताई है कि नुकसान का उचित आकलन कर शासन की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार उन्हें जल्द से जल्द आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रशासन की पहल से जगी उम्मीद

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के लिए फिलहाल सबसे बड़ी जरूरत सुरक्षित आश्रय और आवश्यक सहायता की है। प्रशासन के मौके पर पहुंचने से प्रभावित परिवारों में यह उम्मीद जगी है कि उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए आगे भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय स्तर पर भी आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहयोग की आवश्यकता महसूस की जा रही है। हरिभूमि द्वारा प्रभावित परिवारों की समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन द्वारा मामले की सुध लिए जाने से क्षेत्र में "खबर का असर" देखने को मिला है। अब प्रभावित परिवारों को प्रशासन की ओर से मिलने वाली राहत एवं सहायता का इंतजार है।

योजनाओं से मिला आर्थिक संबल पंचमी ने संजोया बेटी का भविष्य

कोण्डागांव। शहर के तहसीलपारा निवासी पंचमी कुलदीप ने शासकीय योजनाओं से मिली सहायता राशि का उपयोग अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में किया है। पंचमी कुलदीप को पहली संतान के जन्म के समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 5 हजार की आर्थिक सहायता मिली। इस राशि से परिवार को मातृत्व से जुड़ी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक मदद मिली। दूसरी संतान के रूप में बेटी के जन्म पर पंचमी को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 6 हजार की सहायता राशि प्राप्त हुई। उन्होंने इस राशि को तत्काल खर्च करने के बजाय बेटी के भविष्य के लिए बचत करने का निर्णय



लिया और पूरी राशि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटी के नाम जमा कर दी। पंचमी का कहना है कि बेटी के भविष्य के लिए अभी से बचत करना जरूरी है। आज की छोटी–सी बचत आगे चलकर बेटी की पढ़ाई, उच्च शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं में काम आ सकती है। इसी सोच के साथ उन्होंने मातृ वंदना योजना की राशि को बेटी के नाम सुरक्षित किया। पंचमी कुलदीप को छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। यह राशि उनके लिए नियमित आर्थिक संबल का माध्यम बनी हुई है। वे अपनी जरूरत के अनुसार इस राशि का उपयोग करने के साथ बचत का भी प्रयास करती हैं।

पेज 9 के शेष

बीमा दावा खारिज ...

संचालित था। खाते पर बीमा कंपनी द्वारा रिस्क कवर के तहत बीमा किया गया था। गढ़िया मुचाकी की मृत्यु के बाद सामू मुचाकी ने बीमा राशि प्राप्त करने के लिए कंपनी के समक्ष दावा प्रस्तुत किया। कंपनी ने मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र फर्जी बताते हुए बीमा दावा निरस्त कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर आवेदक ने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत प्रस्तुत की।

यातायात नियमों का ....

संकल्प पत्र की शपथ दिलाई गई। इस दौरान डीएसपी ट्रेफिक जयराम चेरमाको, यातायात प्रभारी मधुसूदन सिंह नाग, निरीक्षक कमलेश देवांगन एवं यातायात के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में मौजूद वाहन मालिक व चालकों ने यातायात नियमों को पालन करने शपथ लेते हुए हर हाल में दुर्घटनाओं को रोकने यातायात नियमों का पालन करने शपथ ली। उन्होंने कहा कि सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने और नियमों का पालन करेगें और अन्य वाहन चालकों को भी यातायात नियमों का पालन करने जागरूक करेगें।

61 लाख के साइबर ...

से साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि का लेन-देन करते थे और बाद में उस धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित कर साक्ष्यों और धन के स्रोत को छिपाने का प्रयास करते थे। इस प्रकरण में अब तक कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। कार्रवाई में निरीक्षक अशोक शर्मा, उप निरीक्षक रूपेश नारंग एवं आरक्षक मिथिलेश पुजारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एर्राबोर पोटाकेबिन ....

ने कहा कि जांच में 21 तारीख से 28 तारीख तक छात्रा की तबीयत की स्थिति, आश्रम में उसके उपचार, स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा किए गए परीक्षण, अस्पताल ले जाने अथवा नहीं ले जाने की परिस्थितियों, संस्था द्वारा परिजनों को दी गई जानकारी तथा छात्रा को घर भेजे जाने के निर्णय की पूरी जानकारी सामने आनी चाहिए। यदि छात्रा की देखरेख या उपचार में किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई है तो संबंधित जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। मोर्चा का कहना है कि जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों और किसी संभावित लापरवाही की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए ।



खबर संक्षेप

रजिस्ट्रीकरण व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

बीजापुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विश्वदीप ने नगरपालिकाओं के आम निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति की है। जिसके अंतर्गत नगर पंचायत भोपालपटनम के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भोपालपटनम को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार भोपालपटनम को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्ति किया गया है। इसी तरह नगर पंचायत भैरमगढ़ के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैरमगढ़ को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार भैरमगढ़ को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्ति किया गया है। वहीं अपीली अधिकारी अपर कलेक्टर जिला बीजापुर को नियुक्त किया गया है।

231 बटालियन ने चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान



गीदम। सुनील भवर कमाण्डेंट 231 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा स्वच्छता ही सेवा-अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सुनील भवर कमाण्डेंट के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा आस्था विद्या मंदिर अंग्रेजी मीडियम विद्यालय तथा विशेष आदिवासी आईटीआई संस्था गीदम में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें वाहिनी के जवानों के साथ छात्रों ने जोश के साथ भाग लिया। कमाण्डेंट द्वारा स्वच्छता के प्रति छात्रों को संबोधित किया तथा स्वच्छता शपथ दिलाई एवं छात्रों को स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को बताया किप्लास्टिक कचरा हमारे पर्यावरण को बुरी तरह से प्रदूषित कर रहा है इसलिए इसका निपटान वैज्ञानिक तरीकों से किया जाना आवश्यक है ताकि हमारे आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संबंधी दुष्प्रभावों का सामना न करना पड़े तथा हमें अपने देश को स्वच्छ देशों में शामिल करने के लिए सर्वप्रथम स्वयं को स्वच्छता के प्रति जागरुक बनाना होगा। इस अवसर पर सतीश कुमार मलिक द्वितीय कमान अधिकारी, सौरव रॉय द्वितीय कमान अधिकारी, डॉ. सुब्रता मण्डल मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एम. संतोष सिंह उप कमाण्डेंट, डॉ. मनमोहन मीणा चिकित्सा अधिकारी तथा वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे।

निधन

हेमंत सिंह



जगदलपुर। कुमारपारा मां भवानी चौक निवासी हेमंत सिंह का रायपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा कल उनके निवास स्थान से मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। हेमंत सिंह पत्रकार श्यामल सिंह के बड़े भ्राता थे।

243 कंबल, 70 गंजी-बर्तन व 64 त्रिपाल का किया गया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दरभा

लोहण्डीगुड़ा क्षेत्र में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आज लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं गांवों में राहत सामग्री का

■ बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच विधायक ने वितरित की राहत सामग्री

वितरण किया गया। चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उन्हें आवश्यक राहत सामग्री प्रदान की और प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। बाढ़ के कारण कई परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। ऐसे समय में प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के विभिन्न क्षेत्रों में वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक स्वयं प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री वितरित की। इस दौरान ग्राम पंचायत टाकरागुड़ा में 60 कंबल, ग्राम पंचायत बड़ाजी में 64 त्रिपाल, चन्दरपुर में 70 गंजी-बर्तन, चित्रकोट के बहारगुड़ा पारा में 60 कंबल, उसरी बेड़ा में 46 कंबल तथा धाराऊर चित्रकोट में 77 कंबल बाढ़ प्रभावित परिवारों को वितरित किए गए।



इस प्रकार कुल 243 कंबल, 70 गंजी-बर्तन एवं 64 त्रिपाल का वितरण किया गया। विधायक ने प्रभावित परिवारों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना तथा उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा रहना समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

राहत सामग्री के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में वे अकेले नहीं हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। राहत सामग्री वितरण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस राहत वितरण अभियान के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ प्रभावित ग्रामीणों के साथ प्रत्यक्ष संवाद भी स्थापित किया गया।

ये रहे मौजूद

जिला पंचायत सदस्य चन्द्रभान कश्यप, मण्डल अध्यक्ष मंगतुराम कश्यप, जनपद उपाध्यक्ष बसंत कश्यप, नरसिंह ठाकुर, लच्छिन यादव, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष शिवनंदन पेगड़, नरेश कापडे, तुलुराम कश्यप, सीताराम मण्डावी, सरपंच भरत कश्यप, लखन ठाकुर, बालसिंह ठाकुर, मिटकु राम बघेल , तरूण पाणीग्राही एवं अन्य जनप्रतिनिधि कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

बाढ़ का पानी उतरा तो सामने आई तबाही की तस्वीर

35 से अधिक परिवार हुए बेघर

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब तबाही की वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। बाढ़ के कारण कई गांवों में मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घरों के मलबे, टूटी छतें और बिखरा घरेलू सामान प्रभावित परिवारों की मुश्किलों को बयां कर रहे हैं। ग्राम पंचायत कुरकानार में 14 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। वहीं ग्राम पंचायत घाटलोहंगा, कुदालगांव और आश्रित ग्राम गुच्छागुड़ा में 11 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त बताए जा रहे हैं। इसके अलावा 25 से अधिक मकान ऐसे हैं, जिनमें रहना मुश्किल है और वे कभी भी गिरने की स्थिति में हैं। इसी तरह बकावंड ब्लॉक के ग्राम पंचायत झार उमरगांव के आश्रित ग्राम मेटावाड़ा के पटेलपारा और बोयापारा में भी 10 से अधिक मकानों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है।

■ बाढ़ में कुड़कानार में 14 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त





सामुदायिक भवन और स्कूल बने सहारा

बाढ़ की तबाही से करीब 35 परिवारों के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। कई परिवारों के मकान रहने लायक नहीं बचे हैं। ऐसे में प्रभावित परिवार सामुदायिक भवन और स्कूल भवनों में आश्रय लेने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि जब तक उनके घर दोबारा नहीं बन जाते, तब तक सुरक्षित छांव और रहने की व्यवस्था सबसे बड़ी जरूरत है।

घर के साथ गृहस्थी भी बर्बाद

बाढ़ का पानी घरों में घुसने से धान, चावल, अनाज और घरेलू सामान भी बर्बाद हो गया। कई परिवारों की गृहस्थी पूरी तरह उजड़ गई है। आर्थिक स्थिति बिगड़ने के कारण प्रभावित परिवारों के सामने रोजमर्रा के भोजन तक का संकट खड़ा हो गया है। कई परिवार अब दाने-दाने के लिए मोहताज है।

प्रशासन से राहत और पुनर्वास की मांग

प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री, भोजन, कपड़े, सुरक्षित आवास और क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कर नये मकान और मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ बाढ़ का पानी उतरना समस्या का समाधान नहीं है। उनके सामने अब घर दोबारा बनाने और जीवन को पटरी पर लाने की बड़ी चुनौती है।

बहुत ही दुखद स्थिति

हल्का पटवारी राधिका उर्वशी ने बताया कि ग्राम पंचायत कूड़कानार का स्थिति बहुत ही खराब है। क्षतिग्रस्त घर के परिवारों का बहुत ही दुखद स्थिति है। पूरा सर्वे करने के बाद क्षतिग्रस्त घर की संख्या बढ़ सकती है। ग्राम पंचायत घाटलोंहगा क्षेत्र के पटवारी भारत लाल पटेल ने बताया की सर्वे तो पूरा हुआ है। 11 से अधिक घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त है और 23 से अधिक गिरने की स्थिति में है आगे बढ़ भी सकता है।

14447 टोल-फ्री नंबर को लेकर किसानों की परेशानी, लक्ष्मण ने उठाए सवाल



बाढ़ और फसल नुकसान से जूझ रहे किसानों की शिकायतों के लिए जारी किए गए 14447 टोल-फ्री नंबर को लेकर अब किसानों को आ रही परेशानियों का मुद्दा उठने लगी है। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति बस्तर संभाग के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल ने शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए सरकार और संबंधित विभाग से व्यवस्था को सरल एवं त्वरित बनाने की मांग की है। लक्ष्मण बघेल का कहना है कि बस्तर में लगातार बारिश और इंद्रावती नदी के बढ़े जलस्तर के कारण कई क्षेत्रों में किसानों के खेत, फसल और घर प्रभावित हुए हैं। ऐसे समय में किसानों को सरकारी सहायता और नुकसान की भरपाई के लिए शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता है। इसके लिए जारी 14447 टोल-फ्री नंबर पर किसान अपनी समस्या बताने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया में उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बघेल के अनुसार, किसान जब टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करते हैं तो उनसे उनकी समस्या और नुकसान से संबंधित कई जानकारियां पूछी जाती हैं। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कई किसान तकनीकी अथवा प्रशासनिक प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं होते। ऐसी स्थिति में जानकारी देने के दौरान यदि किसी विवरण में कमी या अंतर रह जाए, तो शिकायत दर्ज कराने में परेशानी होने की बात सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में किसान पहले ही मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं। खेतों में खड़ी फसल बर्बाद होने, घरों में पानी घुसने तथा कृषि सामग्री और अन्य संसाधनों के नुकसान के बाद किसान सरकारी सहायता की उम्मीद करता है। ऐसे समय में यदि शिकायत दर्ज कराने के लिए भी उसे लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़े, तो उसकी परेशानी और बढ़ जाती है। लक्ष्मण बघेल ने यह भी कहा कि शिकायत दर्ज होने के बाद कई किसानों को 72 घंटे तक इंतजार करने की जानकारी दी जाती है। उनका सवाल है कि जिन किसानों का तत्काल नुकसान हुआ है, उनके लिए राहत और जांच की प्रक्रिया कितनी जल्दी शुरू होगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा में समय महत्वपूर्ण होता है और प्रभावित किसानों की स्थिति का मौके पर जाकर आकलन करना जरूरी है। उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से मांग की है कि 14447 टोल-फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए, ताकि कम पढ़े-लिखे और दूरदराज के ग्रामीण किसान भी बिना किसी परेशानी के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें।

बारसूर में पर्यटन फुटबॉल कप उत्साह के साथ शुरू



गीदम। पर्यटन नगरी बारसूर में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को खेल मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित पर्यटन फुटबॉल कप का उद्घाटन उत्साह के साथ हुआ। यह प्रतियोगिता बारसूर स्थित कन्या विद्यालय ग्राउंड में आयोजित की जा रही है। आयोजकों ने बताया कि खेल भावना के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूती देना और नगर के विकास को नई दिशा देना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला बारसूर सी बनाम मोफलनार गांव के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला, जिसमें बारसूर सी की टीम ने मोफलनार को 2-1 गोल से हराकर अगले दौर में अपनी जगह बनाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारसूर के डॉक्टर गणेश बाबू, विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत बारसूर के सीएमओ डोमर साहू और बारसूर के पर्यटन ज्ञाता नरेंद्र नाग उपस्थित रहे। अतिथियों ने फुटबॉल को किक मारकर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया और खिलाड़ियों को खेल को खेल भावना से खेलने का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय दर्शक और युवा मैदान में मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि आने वाले दिनों में बस्तर संभाग की कई टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

गांधी जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस

बीजापुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विश्वदीप द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 के तहत वर्ष 2026-27 के लिए देशी-विदेशी मदिरा के फुटकर दुकानों का आबकारी नीति के अंतर्गत 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया गया है। जिसके अन्तर्गत जिला बीजापुर के समस्त देशी-विदेशी मदिरा दुकान व एफ.एल.7 सैनिक कैंटीन में मदिरा धारण, विक्रय, परिवहन एवं परोसना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

ग्रामीणों को पगडंडी व जंगली रास्तों से मिली मुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर



उसूर विकासखण्ड के भट्टीगुड़ा से गोंडपारा तक सड़क निर्माण से ग्रामीणों की वर्षों पुरानी आवागमन की समस्या दूर हुई है। सड़क बनने से अब ग्रामीणों को बाजार, स्वास्थ्य केन्द्र, विकासखण्ड मुख्यालय एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी हो रही है। भट्टीगुड़ा से गोंडपारा तक 1.75 किलोमीटर लंबी सड़क वर्ष 2018-19 में स्वीकृत की गई थी। इसके अंतर्गत 1.75 किलोमीटर मिट्टी एवं मुरूम सड़क निर्माण के साथ पुलिया निर्माण का कार्य भी पूर्ण किया गया है। पहले पगडंडियों से तय होता था सफर-सड़क निर्माण से पहले ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए पगडंडी और जंगली रास्तों से होकर गुजरना पड़ता था। इससे काफी समय लगने के साथ ही ग्रामीणों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर बारिश के दिनों में आवागमन और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता था। प्रशासनिक अमले को भी गांव तक पहुंचने में परेशानी होती थी, जिससे विभागीय कार्यों के संचालन में अतिरिक्त समय लगता था।

किरंदुल परियोजना में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरन्दुल

परियोजना में 14 से 29 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस अवसर पर संजय पाटील सहा.महाप्रबंधक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी परियोजना में भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं एनएमडीसी मुख्यालय के निर्देश के अनुरूप राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया।

इस वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस पर अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन नवी मुंबई महाराष्ट्र में हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा में इन



दिनों बहुत कार्य किया जा रहा है। मंत्रालय, स्वयंसेवी संगठनों और केंद्रीय सरकारी कार्यालयों व उपक्रमों में हिंदी का कार्य और बढ़ रहा है।

हमारी परियोजना में 14 से 29 सितंबर के बीच राजभाषा पखवाड़े के दौरान हिंदी कार्यों को और अधिक बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कि हिंदी टंकण, क्विज, हिंदी निबंध, हिंदी नारा स्लोगन लेखन, सामान्य ज्ञान इत्यादि का आयोजन किया गया। 29 सितम्बर को राजभाषा पखवाड़ा का समापन समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्होंने राजभाषा पत्रिका सर्जना का विमोचन किया। उसके बाद राजभाषा हिंदी पर अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी के प्रसार-प्रसार पर बल देने की अपील की।

स्वागत भाषण मो.तनवीर जावेद उप महाप्रबंधक मानव संसाधन ने कहा कि परियोजना में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में किया जा रहा है और राज्य सरकार, जिला प्रशासन को पत्राचार हिंदी में ही किया जाता है। विशिष्ट अतिथि जेसी दास, मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन, यूनियन पदाधिकारियों ने भी संक्षिप्त विचार रखे। कार्यक्रम में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विशिष्ट अतिथि एम.सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक विद्युत संयंत्र, धीरेन भूषण, महाप्रबंधक खनन, बी.साम्या, महाप्रबंधक सामग्री, एसकेएमएस अध्यक्ष, नोमेश्वर, सचिव, शप्रदीप नामदेव, एमएमडबल्यू यूनियन अध्यक्ष विनोद कश्यप, सचिव एके सिंह, एस.चिकाटे, उप महाप्रबंधक सीएंडआईटी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संजय पाटील, सहा.महाप्रबंधक राजभाषा ने किया। एपी पांडव, वरि.आशुलिपिक हिंदी एवं शउमेश ठाकुर व कु.नीलिमा पाटील ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

नेटवर्क की लचर व्यवस्था से ग्रामीण परेशान, सर्विस अपग्रेड करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़

भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत ग्राम मद्देड़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की लचर व्यवस्था से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नेटवर्क की समस्या सिर्फ मद्देड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके आसपास के आश्रित ग्राम चेरपल्ली मद्देड़, बंदेपारा, सोमनपल्ली,

■ ऑनलाइन काम, मोबाइल से जरूरी जानकारी में दिक्कत



कोतापल्ली, पामगल, कोंगुपल्ली, तमलापल्ली, बंगापल्ली, मोदकपॉल के ग्रामीण भी लंबे समय से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक मोबाइल इंटरनेट की स्थिति भी बेहद खराब है। नेटवर्क सिग्नल कमजोर होने के कारण इंटरनेट सेवा सुचारू रूप से नहीं चल पाती। ऑनलाइन काम, मोबाइल से जरूरी जानकारी प्राप्त करना, वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई और अन्य डिजिटल सेवाओं के लिए ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय जिओ उपभोक्ताओं, व्यापारी, कर्मचारी, नेट बैंकिंग कार्य और अन्य नेट वर्क मोबाइल फोन से कार्य करने वाले सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। ग्रामीणों ने जियो कंपनी से क्षेत्र की नेटवर्क व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। उनका कहना है कि पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान, सरकारी योजनाओं की जानकारी, रोजगार से संबंधित कार्य और आपातकालीन परिस्थितियों में मोबाइल नेटवर्क की जरूरत पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि आज के तारीख में हर काम नेटवर्क मोबाइल से हो रहा, डिजिटल समय चल रहा यदि टावर की क्षमता बढ़ाई जाती है और नेटवर्क रेंज को बेहतर किया जाता है, तो मद्देड़ क्षेत्र के आसपास 15 से 20 पंचायत के ग्रामीणों को इसका लाभ मिलता, नेटवर्क सही नहीं चलने के कारण आसपास क्षेत्र सहित कई गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी शहरों की तरह बेहतर मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी मिल सके।

6 माह के शिशुओं का किया गया अन्नप्राशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बचेली

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज बचेली परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 17-2 गंगुपारा में आंगन मिलन कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष शिव कुमारी जायसवाल उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि पार्षद श्याम लाल सेठिया एवं भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष सूरज जायसवाल विशेष रूप से शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत आंगनबाड़ी परिवार एवं उपस्थित वार्डवासियों द्वारा आत्मीयता से किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बच्चों के स्वास्थ्य, सुपोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और उनके सर्वांगीण विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। अतिथियों ने संबोधित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पूरक पोषण आहार वितरण का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का मंच है। समुदाय और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी



से ही कुपोषण मुक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित माताओं से अपने बच्चों को रोजाना आंगनबाड़ी भेजने तथा शासन की योजनाओं का भरपूर लाभ लेने निवेदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने वार्डवासियों को एक बड़ी खुशखबरी साझा करते हुए बताया कि उक्त आंगनबाड़ी केंद्र के लिए नए भवन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इस पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग को नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने संज्ञान में लिया और कलेक्टर के समक्ष प्रमुखता से रखा। उनके निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप इस मांग पर जिला प्रशासन से सकारात्मक सहमति बन चुकी है और जल्द ही नए भवन निर्माण की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त हो जाएगी। इस घोषणा पर उपस्थित वार्डवासियों ने हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 6 माह की आयु पूर्ण कर चुके दो नन्हे शिशुओं का विधि-विधान और दुलार के साथ कराया गया अन्नप्राशन संस्कार रहा। अतिथियों द्वारा बच्चों को पहली बार खीर व अर्ध-ठोस पौष्टिक आहार खिलाकर उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की। उपस्थित माताओं को 6 माह के बाद स्तनपान के साथ-साथ पूरक आहार के महत्व की विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यकर्ता व सहायिका का सम्मान

क्षेत्र में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य व पोषण के क्षेत्र में निष्ठापूर्वक सेवाएं देने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चन्दा पाल एवं सहायिका टिना सूर्या को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति व प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके समर्पण और जनसेवा भावना की मुक्तकंठ से सराहना की।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे वार्डवासी

इस आंगन मिलन समारोह में बड़ी संख्या में वार्ड की माताएं, नन्हे-मुन्ने बच्चे, अभिभावक तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बबीता शर्मा द्वारा किया गया।

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स
(सिविल प्रोसीजर कोड, ऑडर 5, रूल्स 1 और 5)
प्रोसेस क्रमांक :- 1182/2026
पेशी तिथि :- 24/10/2026
विविध व्यवहार अपील प्र.क्र.-03/2023
अदालत-**श्रीमान प्रथम जिला न्यायाधीश, बस्तर स्थान जगदलपुर छ.ग.**
शिखा रानी शील व अन्य .....-मुदई
साधन कुमार रॉय व अन्य.....- मुद्दालेह
बनाम-संगीता टाटिया, पति-दिलीप टाटिया, आयु 40 वर्ष, निवासी-केवरामुण्डा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर छ.ग.
क्योंकि आवेदक ने आपके विरूद्ध विविध व्यवहार अपील प्र.क्र. 03/2023 का मुकदमा दायर किया है, आपको इस समंस के जरिये आदेश दिया जाता है कि आप इस अदालत में तारीख-24/10/2026 को दिन के 11 बजे स्वयं या ऐसे वकील के मार्फत जिससे कि मुकदमें की बातें ठीक-ठीक तौर से समझा दी हो और जो कि मुकदमें के बारे में कुल जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जोकि ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिए हाजिर हो जाये और आपकी हाजरी के लिये नियत किया हुआ दिन मुकदमें के आखरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से आप उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रखना होगा कि जिन पर आप अपने बचाव को पुख्ती के लिये भरोसा रखना चाहते है।
आपको ताकीद की जाती है कि यदि आप दिनांक-24/10/2026 को उपस्थित नहीं होगे तो आपकी अनुपस्थिति में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा।
आज तारीख - 28/09/2026 को अदालत की मुहर से जारी किया गया।
जज
(सिद्धार्थ अग्रवाल)
प्रथम जिला न्यायाधीश
बस्तर, स्थान-जगदलपुर
मुहर

खबर संक्षेप

अनुपस्थित अभ्यर्थियों को अंतिम मौका 5 को

जगदलपुर। परिवहन विभाग में परिवहन आरक्षक के 50 पद पर भर्ती प्रक्रिया के तहत शारीरिक मापदंड एवं दस्तावेज सत्यापन में अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों का अंतिम अवसर दिया गया है। इन्हें 5 अक्टूबर को नया रायपुर में उपस्थित होना होगा। विभाग के अनुसार लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों और पात्र अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर 250 अभ्यर्थियों को शारीरिक मापदंड एवं दस्तावेज सत्यापन के लिए 2 और 3 सितंबर को बुलाया गया था, इनमें कई अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर देते हुए विभाग ने 5 अक्टूबर के लिए बुलावा पत्र जारी किया है। यह बुलावा पत्र परिवहन विभाग की वेबसाइट परे भी उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही जगदलपुर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई है। विभाग ने संबंधित उड़नदस्ता प्रभारियों अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र की तामील कराने और उसकी पावती लेने के निर्देश दिए हैं।

बस्तर के सौरभ और रुद्र का छत्तीसगढ़ रणजी टीम में चयन



जगदलपुर। बस्तर जिला क्रिकेट संघ के सचिव केदार ठाकुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ की रणजी ट्रॉफी टीम में पहली बार बस्तर के 2 खिलाड़ी सौरव मजूमदार और रुद्र प्रताप देहारी का चयन हुआ है।सौरभ विगत कुछ वर्षों से लगातार छत्तीसगढ़ रणजी ट्रॉफी टीम का हिस्सा बने हुए हैं। वहीं कटेकल्याण जैसे अंदरूनी क्षेत्र के खिलाड़ी रुद्र प्रताप का चयन होना बस्तर के लिए गौरव का विषय है। ये दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ़ की रणजी ट्रॉफी टीम मे शुरुआती 4 मैचों के लिए चयनित टीम का हिस्सा बनेंगे। इसके पहले भी रुद्र प्रताप मुंबई इंडियंस की रिलायंस टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए चयनित हुए थे। उनके पिछले प्रदर्शन के आधार पर इस बार उन्हें जगह मिली है।

संत रामपाल के अनुयायियों ने पहुंचाई खाद्य सामग्री



जगदलपुर। संत रामपाल महाराज की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए खाद्य सामग्री पहुंचाई गई। राहत सामग्री के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। बारिश के कारण प्रभावित परिवारों के सामने भोजन और दैनिक जरूरतों से जुड़ी समस्याएं थी। राहत सामग्री मिलने से उन्हें कठिन परिस्थिति में सहायता मिली। इस पहल का उद्देश्य आपदा से प्रभावित लोगों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाकर उनकी परेशानियों को कम करने में सहयोग करना है। जरूरतमंद परिवारों तक खाद्य सामग्री पहुंचाने पर स्थानीय लोगों ने इस प्रयास को महत्वपूर्ण बताया।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर में वन्यजीव सुरक्षा के लिए की जा रही मॉक ड्रिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर में वन्यजीवों की सुरक्षा एवं अवैध शिकार पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा लगातार एंटी-स्नेर वॉक एवं गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज डॉग स्क्वॉड की सहायता से एक विशेष मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जिसमें वन क्षेत्र में लगाए गए फंदों (स्नेर) को खोजने के साथ-साथ उनके पीछे जिम्मेदार व्यक्तियों तक पहुंचने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर उत्तम गुप्ता एवं डिप्टी डायरेक्टर सुमेध संजय के मार्गदर्शन में इस मॉक ड्रिल को किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य वन विभाग के मैदानी अमले एवं डॉग स्क्वॉड के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा वन्यजीवों के अवैध शिकार में उपयोग किए जाने वाले फंदों की पहचान, खोज एवं जांच की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना था। मॉक ड्रिल के दौरान वन क्षेत्र में पूर्व निर्धारित स्थानों पर फंदे लगाए गए।

फंदों की तलाश से संदिग्ध व्यक्ति तक पहुंचने का अभ्यास

एंटी-स्नेर वॉक को मिलेगी और मजबूती

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में एंटी-स्नेर वॉक के माध्यम से वन क्षेत्रों में लगाए जाने वाले अवैध फंदों की लगातार निगरानी एवं खोज की जा रही है। फंदे वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा होते हैं और इनके कारण बाघ, तेंदुआ, हिरण, जंगली सूअर सहित अन्य वन्यजीवों के घायल होने अथवा मृत्यु की आशंका रहती है। डॉग स्क्वॉड को इस अभियान से जोड़ने से कठिन एवं घने वन क्षेत्रों में फंदों की तलाश तथा घटना के बाद जांच की क्षमता को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी।



वन्यजीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

इंद्रावती टाइगर रिजर्व जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां बाघ सहित अनेक महत्वपूर्ण वन्यजीव एवं पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। ऐसे में वन्यजीवों को अवैध शिकार एवं फंदों जैसे खतरों से सुरक्षित रखना वन विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। डॉग स्क्वॉड की सहायता से आयोजित यह मॉक ड्रिल वन्यजीव अपराधों की रोकथाम, त्वरित प्रतिक्रिया और मैदानी स्तर पर वन विभाग की क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में इस प्रकार के अभ्यासों के माध्यम से एंटी-स्नेर वॉक एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा।

विभाग व डॉग स्क्वॉड के बीच समन्वय पर जोर

मॉक ड्रिल के दौरान वन विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को डॉग स्क्वॉड के साथ कार्य करने की प्रक्रिया, घटनास्थल की सुरक्षा, फंदे एवं अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा आगे की जांच में आवश्यक सावधानियों के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान यह भी समझाया गया कि किसी भी वन्यजीव अपराध की घटना में घटनास्थल पर उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखना और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जांच करना महत्वपूर्ण है।

इसके बाद प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड की सहायता से इन फंदों की तलाश एवं उनकी गंध के आधार पर आगे की जांच की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। अभ्यास के दौरान डॉग स्क्वॉड ने फंदे के स्थान से गंध का अनुसरण करते हुए संभावित संदिग्ध के घर/स्थान तक पहुंचने की कार्रवाई का अभ्यास किया। इस प्रकार की ड्रिल का उद्देश्य केवल जंगल में लगाए गए फंदों को हटाना ही नहीं, बल्कि फंदा लगाने वाले व्यक्ति तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित जांच प्रक्रिया का अभ्यास करना भी है। वन विभाग द्वारा आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वन क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि, फंदे अथवा वन्यजीव अपराध से संबंधित जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित वन विभाग को सूचित करें। वन्यजीवों की सुरक्षा केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अभ्यास में टाइगर रिजर्व से अधीक्षक मनोज बघेल, परिक्षेत्र अधिकारी सुमित शाह एवं वन अमला, नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी से एम सूरज, मोइज अहमद, सिद्धांत जैन एवं भूपेंद्र जगत शामिल रहे।

एनएमडीसी ने उपलब्ध करवाई चार अत्याधुनिक रेस्क्यू स्पीड बोट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग और आसपास के इलाकों में बारिश के चलते उत्पन्न गंभीर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड ने अभूतपूर्व तत्परता दिखाई है।

- नगरनार, भेजापदर, करनपुर और उपनपाल के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

छत्तीसगढ़ शासन से राहत और बचाव कार्यों के लिए आपातकालीन सहायता का अनुरोध मिलते ही कंपनी ने युद्धस्तर पर संसाधन जुटाए। प्रबंधन ने महज 48 घंटे के रिकॉर्ड समय के भीतर पुणे से चार अत्याधुनिक रेस्क्यू स्पीड बोट उपलब्ध करा दी हैं।

प्रत्येक बोट लगभग 8 से 10 व्यक्तियों की वहन क्षमता वाली है, जिन्हें आपदा प्रबंधन के कड़े सुरक्षा मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। यह त्वरित पहल एनएमडीसी स्टील लिमिटेड द्वारा पूर्व में दी गई रेस्क्यू बोट और प्रभावित क्षेत्रों में जारी खाद्य एवं राहत सामग्री वितरण अभियान के अतिरिक्त है।

इन चारों स्पीड बोट को नगरनार ग्राम पंचायत भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा को विधिवत सौंप दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए बस्तर सांसद महेश कश्यप ने एनएमडीसी प्रबंधन की सराहना की। एनएमडीसी प्रबंधन से चर्चा होते ही पुणे से इन बोटों को तत्काल मंगाकर प्रशासन को सौंपना बेहद सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में कलेक्टर आकाश छिकारा ने सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए एनएमडीसी की सक्रिय सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनजीवन को शीघ्र सामान्य करने के लिए



प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और समाज के विभिन्न वर्गों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों का सहयोग इस दिशा में बल प्रदान कर रहा है।

नगरनार स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा इसका सीधा लाभ जिले के नगरनार, भेजापदर, करनपुर और उपनपाल सहित आसपास की सभी बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायतों को मिलेगा, जहां जलभराव के कारण संपर्क टूट गया है।

एनएमडीसी के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार ठाकुर ने इस दौरान कहा कि परिचालन क्षेत्रों और वहां रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा एवं कल्याण देश की इस महत्वपूर्ण कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने दोहराया कि संकट के इस दौर में एनएमडीसी स्थानीय प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और प्रभावित समुदायों को समय पर हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री राहत कोष में उत्कल समाज ने दिए 21 हजार रुपए



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के संकट को देखते हुए सामाजिक संगठन पीड़ित मानवता की सेवा में आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में उत्कल

- बाढ़ संकट को देखते हुए सामाजिक संगठन प्रशासन का बंटा रहे हाथ

समाज बस्तर संभाग ने संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए मुख्यमंत्री बाढ़ आपदा राहत कोष में 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। समाज ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया था कि राहत शिविरों के संचालन के साथ-साथ अन्य आवश्यक कार्यों में प्रशासन का हाथ बंटाने के लिए सहयोग राशि दी जाएगी। इसी निर्णय के परिपालन में मंगलवार को उत्कल समाज का एक प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा और बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा को 21 हजार रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर सीपी बघेल और नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने समाज की इस मानवीय पहल और तत्परता की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। चेक सौंपने के दौरान उत्कल समाज बस्तर संभाग के अध्यक्ष राजेश दास, सचिव सुमित महापात्र, उपाध्यक्ष मथुरा तिवारी, कोषाध्यक्ष मनोज महापात्र, संगठन सचिव रमेश नंद, कार्यालयीन सचिव अच्युत सामंत तथा कार्यकारिणी सदस्य अतुल दास सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ओसवाल जैन समाज ने बाढ़ प्रभावितों को कराया भोजन और नाश्ता



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए ओसवाल जैन श्वेताम्बर समाज द्वारा 3 दिनों तक राहत एवं सेवा कार्य किए गए। समाज

- तीन दिनों तक राहत शिविरों और जलभराव वाले क्षेत्रों में घूमकर समाज के लोगों ने बांटा भोजन

के सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंदों को नाश्ता एवं भोजन वितरित कर मानवीय सेवा का परिचय दिया। लालबाग स्थित स्कूल, महिंद्रा ट्रैक्टर शोरूम के सामने एवं शुभ लग्न वाटिका में भोजन कराया गया। भगत सिंह स्कूल एवं शीतला माता मंदिर में नाश्ता वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त दलपत सागर के पास, शुभ लग्न वाटिका, छपरगुड़ा ग्राम एवं महिंद्रा ट्रैक्टर शोरूम के सामने भोजन वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में समाज के महिला संगठन से रितु लूनिया एवं श्वेता लूनिया ने सहयोग प्रदान किया। इस राहत कार्य में जैनत्व वेलफेयर, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, मदनलाल टाटिया, दिलीप सिसोदिया, मोहनलाल गुणधर, राजकुमार लोढ़ा, कोमलचंद बैद एवं किशोर दुग्गड़ सहित समाज के अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सेवा कार्य को सफल बनाने में पवन मोदी, नीरज बाफना, प्रकाश बाफना, विपिन बोथरा, अजय मिन्नी, ज्ञानमल मालू, हीरालाल भंसाली एवं किशोर पारख ,राकेश बोथरा, पवन सालेचा, देवेंद्र टाटिया, संजय मिन्नी, विकास कोचर ,मोहित बाफना का सक्रिय सहयोग रहा। इसके साथ ही समाज के अनेक सदस्यों ने राहत सामग्री वितरण एवं भोजन व्यवस्था में अपनी सेवाएं दीं।समाज के अध्यक्ष भंवर बोथरा एवं महासचिव अनिल कागोत ने सभी सहयोगकर्ताओं, दानदाताओं एवं सेवा कार्य में प्रत्यक्ष रूप से जुटे समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाढ़ से उद्यान रोपणी आसना में 46.88 लाख का नुकसान



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंद्रावती नदी में आई बाढ़ का असर शासकीय उद्यान रोपणी आसना पर भी पड़ा है। बाढ़ के पानी से रोपणी में

- इंद्रावती नदी का पानी घुसने से फलदार पौधों, सब्जियों और मसाला फसलों की रोपणी

तैयार किए जा रहे विभिन्न फलदार, शोभायान एवं अन्य पौधों के साथ सब्जी और मसाला फसलों को नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार रोपणी में करीब 46 लाख 88 हजार रुपए की क्षति हुई है। बाढ़ के कारण रोपणी में आम रूटस्टाक, आम ग्राफ्टेड, काजू रूटस्टाक, काजू ग्राफ्टेड, कटहल बीजू, नीबू बीजू, अमरूद बीजू, मुनगा हाईब्रिड, पपीता हाईब्रिड, लिची, शोभायान पौधे, बांस टिश्यूकल्चर, बीज उत्पादन, अदरक एवं हल्दी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। इन फसलों एवं पौधों की क्षति का अनुमान लगभग 43 लाख 88 हजार रुपए लगाया गया है। इसके अलावा गेंदा सीडलिंग, बैंगन, मिर्च और फूलगोभी सहित अन्य सब्जी फसलों को भी बाढ़ के पानी से नुकसान हुआ है। इन फसलों में करीब 3 लाख रुपए की क्षति का आकलन किया गया है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद रोपणी में नुकसान का विस्तृत आकलन किए जाने की संभावना है।

शासकीय उद्यान रोपणी आसना के अधीक्षक आरएस राम्पुरे ने बताया कि इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी है। उन्होंने यह भी बताया कि बाढ़ के चलते 5 दिन तक रोपणी का रखरखाव नहीं हो पाया।

किसान की बेटी मनीषा बनेगी डॉक्टर, नीट में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ दरभा

दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सच्ची लगन हो तो सीमित संसाधन भी सपनों की राह में बाधा नहीं बन सकते। इसे सच कर दिखाया है बस्तर जिले के दरभा विकासखंड स्थित ग्राम

- लाला जगदलपुरी लाइब्रेरी में की घंटों पढ़ाई
- भविष्य में बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में जनसेवा का लक्ष्य

छिंदावाड़ा-कावारास की होनहार बेटी मनीषा कश्यप ने। एक साधारण कृषक परिवार से ताल्लुक रखने वाली मनीषा ने अपनी अथक मेहनत के बल पर नीट में शानदार सफलता अर्जित कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही मनीषा अपने गांव से डॉक्टर बनने की दिशा में कदम बढ़ाने वाली पहली छात्रा बन गई हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई है। किसान पिता चंदन सिंह कश्यप और माता गौरी कश्यप के मार्गदर्शन में पली-बढ़ी मनीषा ने अपनी इस मंजिल को पाने के लिए जगदलपुर स्थित ज्ञानगुड़ी कोचिंग सेंटर से मेडिकल प्रवेश परीक्षा की गंभीर तैयारी शुरू की थी। कोचिंग के साथ-साथ उन्होंने लाला जगदलपुरी लाइब्रेरी में घंटों नियमित अध्ययन कर अपनी दिनचर्या को पूरी तरह पढ़ाई के प्रति समर्पित रखा।



कठिन तपस्या का सुखद परिणाम

बिना किसी विचलन के की गई निरंतर तपस्या और समय के सटीक प्रबंधन का ही सुखद परिणाम रहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की इस कठिन परीक्षा में परचम लहराकर सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। बेटी के चयन की सूचना मिलते ही परिवार सहित पूरे छिंदावाड़ा-कावारास गांव में उत्सव जैसा माहौल बन गया, जहां परिजनों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को बधाई दी।

ग्रामीण बच्चों के लिए बनीं प्रेरणा

गांव की पहली भावी महिला चिकित्सक के रूप में मनीषा की यह सफलता दूरस्थ ग्रामीण अंचल के उन तमाम छात्र-छात्राओं के लिए एक सशक्त प्रेरणा बनकर उभरी है, जो सीमित संसाधनों के बीच बड़े प्रतियोगी इम्तिहानों की तैयारी कर रहे हैं। अब मनीषा का ध्येय एमबीबीएस की पढ़ाई निष्ठापूर्वक पूरी कर डॉक्टर बनना और बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में पहुंचकर जनसेवा को समर्पित होना है। उनकी इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अगर हौसले बुलंद हों, तो गांव की पगडंडियों से निकलकर भी बड़े से बड़े मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

जनता से बार-बार पराजित कांग्रेस अब संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रही

राहुल को निर्वाचन आयोग और देश से माफी मांगनी चाहिए : पाण्डेय

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर महापौर संजय पाण्डेय ने कहा कि निर्वाचन आयोग के हालिया संयुक्त बयान ने एसआईआर से जुड़े निर्णयों में आयोग के तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति को स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा आयोग में कथित मतभेदों को लेकर किए जा रहे दावों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है,लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर बिना पर्याप्त तथ्य के आरोप लगाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस को निर्वाचन आयोग से सवाल पूछने का पूरा अधिकार है, लेकिन सवाल तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होने चाहिए। निर्वाचन आयोग के स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस नेतृत्व को अपने पूर्व दावों की समीक्षा करनी चाहिए और यदि उसके आरोप तथ्यहीन साबित होते हैं तो देश और संवैधानिक संस्थाओं से माफी मांगनी चाहिए।महापौर ने कहा कि 27 मई 2026 को



सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर निर्णय देते हुए निर्वाचन आयोग के इस अभ्यास की वैधानिक शक्ति को स्वीकार किया था। न्यायालय ने एसआईआर को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता सूची को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाने से जोड़ा। उन्होंने कहा कि जब देश की सर्वोच्च अदालत किसी प्रक्रिया की वैधानिकता पर निर्णय दे चुकी हो और निर्वाचन आयोग स्वयं अपने निर्णयों की प्रक्रिया को स्पष्ट कर चुका हो, तब राजनीतिक आरोपों को तथ्य और प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

चुनाव हारने पर संस्थाओं पर सवाल उठाना उचित नहीं

पाण्डेय ने कहा कि चुनाव में हार या जीत लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। किसी राजनीतिक दल को चुनावी परिणामों से असहमति हो सकती है और वह कानूनी एवं संवैधानिक माध्यमों से सवाल उठा सकता है, लेकिन हर चुनाव के बाद ईवीएम, निर्वाचन आयोग या अन्य संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि इसी संवैधानिक चुनावी व्यवस्था के माध्यम से सदन में पहुंचे हैं। इसलिए व्यवस्था में कमियों की शिकायत हो तो उसका समाधान संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के भीतर किया जाना चाहिए।

लोकतंत्र में आरोप नहीं, प्रमाण महत्वपूर्ण हैं

महापौर ने कहा लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का आधार है मतदाता का विश्वास, निष्पक्ष प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान। राजनीतिक दलों को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन देश की संस्थाओं पर लगाए गए प्रत्येक आरोप के साथ ठोस तथ्य और प्रमाण भी होने चाहिए।"उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चाहिए कि वह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर निर्वाचन आयोग के स्पष्टीकरण और न्यायालय के निर्णयों को गंभीरता से देखे।संजय पाण्डेय ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व को देश की जनता के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके द्वारा लगाए गए आरोपों के पीछे ठोस प्रमाण क्या हैं। यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, तो उन्हें निर्वाचन आयोग तथा देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी एक दल की नहीं, 140 करोड़ देशवासियों की व्यवस्था है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी की जिम्मेदारी है कि संविधान, चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करें।

